भारत में विदेशी विश्वविद्यालय

भारत में विद्यालयों के युग में अब विश्वविद्यालय का प्रतिशत बढ़ रहा है। कई सालों से अब इस विदेशी विद्यालयों में बहुत सारे छात्रों पढ़ना है। बहुत सारे छात्रों को अब विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ने की इच्छा है। फिर भी हमारे भारत में ये अच्छा और बुरा भी हो सकता है।

भारत में अब छात्रों का पढ़ाई कम है। इसका बहुत से कारण होता है। छात्रों को बाहर जाकर पढ़ने की इच्छा भी है। पढ़ाई अच्छा है, पर क्यूँ बाहर - यही इस समाज का कारण। अपना बच्चों को कहाँ पढ़ाई के लिए भेजूँ। कहाँ अच्छा विद्यालय होंगे। ये सब हमारा चिंता है। माता - पिता को अपने बच्चों को कुछ अच्छे विद्यालय में भेजने की इच्छा है।

यह सब हमारा अनुसार होगा कि हमारा बच्चों कहाँ पढ़ेगा। फिक्र करने से कोई

बात नहीं। क्योंकि बच्चों को पढ़ने का इच्छा है तो वो कहाँ भी पढ़ेगा। भारत में अब बहुत सारे विदेशी विश्वविद्यालय बढ़ रहा है और वहाँ जाने का छात्रों के संख्या भी अब बढ़ रहा है।

• भारत में विद्यालयों का युग।

अब भारत में छात्रों का संख्या बढ़ना है और विद्यालयों का संख्या भी बढ़ता जा रहा है। विदेशी परिवारों को अपने बच्चा विदेश जाना या विदेशी विश्वविद्यालय जाना चाहना है। पर वो बच्चों को पढ़ाई मिलूँगा पर ~~मिर~~ फिर भी उसे खुशी या दोस्तों न मिलेगा।

पढ़ाई के ओर से जीवन बिताना एक मुश्किल बात है। बच्चों को खुशी से जीवन बिताना चाहिए। इसलिए उसे बहतर विद्यालय पर भेजने का आवश्य है। विद्यालयों के युग में छात्रों को अच्छा सा विद्यालय में जाना है। उसके माता-पिता को भी ये चाहना है कि उसे अच्छा पढ़ाई देना।

पर पढ़ाने के अलावा वो बुरा दोस्तों के साथ घुसरते है और नशे के उपयोग में

फस जाता है। यही कारण अपनी बच्चों को बहतर विद्यालय पर भेजने की इच्छा है। नशे का उपयोग अब विद्यालयों पर भी है। इसका असर बहुत सारे छात्रों पर होता है और उन सबको पढ़ाने का मन भी नही है।

विद्यालयों के युग में भारत का छात्रों अब विद्यालयों में जाना नही चाहता है। पर पता नहीं क्यूँ। अब उसे बाहर जाने का इच्छा है। शिक्षकों को पढ़ाने का मन है तो छात्रों को उसे पढ़ने का मन नही।

मन पसंत से पढ़ने का इच्छा है, सभी छात्रों को। हमारा इस दुनिया में पढ़ने चाहते बहुत सारे बच्चों है। पर उस बच्चों को पढाई के लिए विद्यालयों पर जाने का हालत नही हो सकता।

बच्चों का पढाई विदेशी विश्वविद्यालय पर होता है। बच्चों का प्रतिशत अब विदेशी विश्वविद्यालयों की ओर बढ़ता है। पढ़ाई का असर बच्चों पर होने के लिए वो विद्यालय कुछ भी कर सकता है।

• विदेशी विश्वविद्यालय :

आज कल इस दुनिया में अब विदेशी विश्वविद्यालय का युग बढ़ रहा है। माता-पिता को उसे वहाँ भेजने की इच्छा है। पर फिर भी कुछ छात्रों को वहाँ जाने को पसंद नहीं है। शायद वहाँ का पढ़ाई होगा इसका कारण।

भारत के विद्यालयों के युग में यह विदेशी विश्वविद्यालय का संख्या बढ़ रहा है। वहाँ जाने का बच्चों का प्रतिशत भी अब बढ़ रहा है। विदेशी विश्वविद्यालय से पढ़कर आने-वालों को बहुत अच्छा नौकरी मिलता है और वहाँ का प्रमाणपत्र को बहुत बढ़िया मूल्य भी होता है।

विदेशी विश्वविद्यालय पर पढ़ने का मन से आनेवाला बच्चा है। वहाँ नशे का उपयोग कम या नहीं हो सकता। इसके कारण वहाँ के बच्चों को कम दोस्तों होगा। वह पढ़ाई के अलावा दोस्ती न देखती। दोस्तों हमारे जीवन का एक बड़ा संपत्त है। कुछ मदद चाहते हैं तो दोस्त ही अपना पास रहेगा।

एक सच्चा दोस्त है तो पढ़ाई कुछ और मज़ा लगेगा। अच्छा मित्र मिलना बहुत मुशकिल बात होता है। पढ़ाई की ओर अच्छा दोस्त ही मज़ा है। कोई बुरा दोस्ती है तो काफी मुशकिल रहेगा।

विश्वविद्यालयों पर पढ़ने का इच्छा ही प्रमुख है। बाकी सब का कोई फायदा नहीं। माता-पिता सब बच्चों अच्छे से पढ़ने से खुश होता है। उनका भविष्य अच्छा होने को वो कुछ भी कर सकता है।

माता-पिता का जान ही अपना बच्चा है। उसकेलिए वो अपना जीवन बिताता है। पर उन लोगों को अपने बच्चें कैदी बनाने का इच्छा है। वो लोगों है कि नशे भेजनेवाले।

विदेशी विश्वविद्यालय पर बच्चों का पढ़ाई ही मूल्य है। पढ़ाई के अलावा उन सबका स्वास्थय भी अच्छे से रहेगा। अच्छा बच्चों को अच्छा दोस्ती ही ठीक रहेगा। विश्वविद्यालय का प्रतिशत बढ़ने का कारण ही यही होगा। अच्छा शिक्शा सारे बच्चों को देना।

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
2026 ജനുവരി 14 - 18 • തൃശ്ശൂർ

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം, തിരുത്തി, പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

Item Code: 948 Participant Code: 032

विदेशी विश्वविद्यालय में पढ़ने को बहुत सारा कीमत चाहिए। इसका कारण गरीब वालों के बच्चों को वहाँ नहीं पढ़ सकता। पैसा है तो भारत में कहीं पर भी पढ़ सकता है। पर पैसा नहीं है तो क्या कर सकता है। गरीब बच्चों को पढ़ने का हालत उनका पैसे पर होता है। भारत में विदेशी विश्वविद्यालय पर पढ़ने का मौका सिर्फ उस लोगों को मिलेगा जो पढ़ेगा और पास पैसा होगा।

साधारण विद्यालय पर पढ़ने का मौका सबको मिलेगा। धनवान या गरीब सबको पढ़ने का मौका मिलेगा, भारत विद्यालयों पर। बच्चों को अपने आप विश्वास है तो उसे कहाँ भी अच्छी तरह से पढ़ सकता है।

पहले बच्चों को अपने आप भरोसा रखना चाहिए कि वो अच्छी तरह पढ़ेगी। खुशी से रहेगी तो जीवन आनंद पाएगा। अच्छा मौका मिलता है तो वो अवसर अच्छी तरह उपयोग करना चाहिए और उस अवसर को बरबाद नहीं करना चाहिए।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം തീയതി..... പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

भारत के विद्यालयों के युग में नौकरियों का भविष्य :

भारत पर विभिन्न तरह की नौकरियाँ होना है। उनमें से अच्छा चुनने का मूल्य हमारा प्रमाणपत्र के अनुसार होगा। अच्छी सी पढ़ेंगे तो अच्छा सा नौकरी मिलेगा। पर फिर भी अच्छा नौकरी मिलना बहुत मुशकिल काम होता है।

अच्छा से पढ़ने का कारण ही अच्छा सा नौकरी मिलेगा। इसके लिए अच्छा या बहतर विश्वविद्यालयों पर पढ़ना चाहिए। हमारा भविष्य हमारा हाथों में है। इसकेलिए कोशिश करना हमारा जिम्मदारी होता है।

भारत के विद्यालयों से पढ़ने का कोई बात नही। वहाँ से हम क्या सीखा यही काम आएगा। अच्छा शिक्शा मिलने के लिए दूर जाने से कोई फायदा नही। वहाँ हम कैसे पढ़ने का फायदा होगा।

भारत के युग में नौकरियों का बढ़िया भविष्य होना है। जिस प्रकार हम

पढ़ते हैं उस प्रकार हमें रिसल्ट मिलता है। अच्छे से पढ़ते हैं तो अच्छा नौकरी मिलेगा। बुरी तरह पढ़ते हैं तो बुरा नौकरी मिलेगा। इसलिए सभी लोग कहता है की हमारा भविष्य हमारा हाथों में है।

भारत में पढ़ने से बहुत फायदा होता है। इनमें से एक है नौकरी। नौकरी घर का आस पास मिलना ही बड़ा बात है। घर का पास है तो, जाना और वापस आना बहुत आसान लगेगा।

• छात्रों के बीच नशे का उपयोग :

आज कल हमारा दुनिया में छात्रों के बीच नशे का उपयोग बढ़ रहा है। अच्छी सी पढ़ते छात्र नशे का उपयोग के बाद अपने आप भूल जाता है और उसका भविष्य को बरबाद करता है।

नशे का उपयोग आज कल बढ़ते हालत में छात्रों इसका उपयोग से मग्न हो जाता है और अपने आप विपत्ति का जाल में फ़स जाता है।

अच्छे से पढ़ने छात्र के संबंध एक छोटी सी नशे उसका जीवन खराब करता है। उसे एक अलग दुनिया में ले जाता है। इसका कारण वो एक अजीब व्यक्ति बनता है। आज के अनुसार इस दुनिया में नौकरी मिलने को और अच्छा पढाई को नशे एक बड़ा विपत्ति बन चुका है।

अच्छे से पढ़ने के लिए एक छात्र को नशे का उपयोग से दूर दूर रहना चाहिए। वैसा दूर होने के कारण उसे अच्छा आनंद जीवन बिता सकता है। परिवारों के प्रति अपने बच्चों को अच्छे से देखना भी चाहिए।

हमारेलिए अपना बच्चा एक खास बात है इसलिए माता-पिता को एक साथ रहकर बच्चे का खयाल रखना चाहिए।

• <u>विश्वविद्यालय की चुनौतियाँ:</u>

सभी बच्चों को अपना भविष्य को एक अच्छा युग में बदलना चाहिए। पर वो सब विदेशी विश्वविद्यालय जाने है तो बाकी सब विद्यालयों पर है छात्रों के कमी पर

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം തീയതി..... പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

बहुत सारे शिक्षकों का नौकरी नष्ट हो सकता है। इसका कारण बाकी सभी विद्यालयों को अपना महत्व है।

• अंतिम प्रस्तावना :

सभी विद्यालयों का अपना महत्व है। उन सबका महत्व सभी छात्रों का पास है। अच्छा पढ़ाई मिलने के लिए हमें विद्यालयों का मदद माँगना चाहिए। छोटा सा विद्यालय है तो वो विद्यालय को उसका महत्व है।

छात्रों को पढ़ाई के लिए भागना नहीं चाहिए। अपने आप को संभालकर इस हालत को ठीक से संभालना चाहिए।

विदेशी विश्वविद्यालय बढ़ते हालत में हमारा चिंता भी बढ़ना चाहिए। उसके बाद सभी समाज भी अपने आप बदलेगा। वो ही हमारेलिए बढ़िया जीन ही है।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).